

प्रेषक,

एस0एस0टोलिया,
अनु सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तरांचल ।

गृह अनुभाग-5

देहरादून:दिनांक 26 सितम्बर, 2008

विषय:- गृह विभाग, उत्तरांचल शासन में उत्तरांचल राज्य के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए सिटीजनस चार्टर लागू किये जाने के संबंध में।

महोदय,

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि एतद्वारा गृह विभाग, उत्तरांचल शासन में उत्तरांचल राज्य के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए सिटीजनस चार्टर लागू किया जाता है । तदनुसार उक्त चार्टर की प्रतिलिपि अग्रेत्तर आवश्यक कार्यवाही हेतु संलग्न करके कृपया प्रेषित की जा रही है ।

संलग्नक: यथोक्त ।

भवदीय,

(एस0एस0टोलिया)
अनु सचिव ।

संख्या- /08/ (1) /XX(5) /06-13विधि/06, तदिदनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को उपरोक्त सिटीजनस चार्टर की एक प्रतिलिपि संलग्न करते हुए सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- कार्मिक अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन ।

2- सामान्य प्रशासन अनुभाग, उत्तरांचल शासन ।

3- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून । *इन्हें वा उपलब्ध कराने हेतु ।*

4- गार्ड फाइल ।

संलग्नक: यथोक्त ।

आज्ञा से,

(एस0एस0टोलिया)
अनु सचिव ।

**गृह विभाग, उत्तरांचल शासन का
उत्तरांचल राज्य के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों
के लिए
नागरिक चार्टर**

प्रस्तावना

यह चार्टर पात्र स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा उनके परिवारों को गृह विभाग, उत्तरांचल सरकार की ओर से मासिक पेंशन/पारिवारिक पेंशन, महंगाई राहत, परिचय पत्र, राज्य परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा, दिवंगत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मान तथा उनके अन्तिम संस्कार हेतु अनुदान आदि सुविधायें प्रदान करने तथा उनके नाम से शहीद स्मारक आदि बनाये जाने के संबंध में शासन की प्रतिबद्धता की घोषणा है।

1. **पेंशन**
स्वतंत्रता संग्राम सैनिकों और उनके परिवारों को राज्य "पेंशन" प्रदान करके सम्मानित करने की योजना 06 अगस्त, 1975 से प्रारम्भ की गयी है। इसके लिए "स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उनके परिवारों को दिये जाने वाले अनुदान तथा पेंशनों को विनियमित करने के संबंध में नियमावली" बनायी गयी है। इस योजना को समय-समय पर उदार बनाया है, जिसका विवरण निम्नवत है :-
 - 1.1 **पेंशन की दर**
उत्तरांचल राज्य के पात्र स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा उनके परिवार के पात्र आश्रितों को दिनांक 01-04-2002 से ₹0-2851/-प्रतिमाह की समान दर से राज्य सरकार द्वारा पेंशन प्रदान की जा रही है।
 - 1.2 **अतिरिक्त पेंशन**
दिनांक 01-01-2006 से ₹0-1000/-प्रतिमाह की दर से अतिरिक्त पेंशन भी उत्तरांचल सरकार द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा उनके परिवार के पात्र आश्रितों को प्रदान की जा रही है।
 - 1.3 **विभिन्न प्रयोजनों हेतु एकमुश्त अनुदान**
06 अगस्त, 1975 से लागू पेंशन तथा अनुदान नियमावली में विभिन्न प्रयोजनों के लिए अनुदान की व्यवस्था की गयी थी किन्तु उक्त अनुदान प्राप्त करने में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा उनके परिवारों को हो रही कठिनायियों को दृष्टिगत रखते हुए दिनांक 01-02-1996 से नियमावली में प्राविधानित अनुदान की व्यवस्था को समाप्त करते हुए उक्त प्रयोजनार्थ पेंशन के साथ मासिक रूप

से एकमुश्त धनराशि दिये जाने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में विभिन्न प्रयोजनों के लिए रू०-350/-की धनराशि मासिक रूप से पेंशन के साथ प्रदान की जा रही है।

1.4 महंगाई राहत

पेंशन भागियों को उत्तरांचल सरकार द्वारा महंगाई राहत भी प्रदान की जाती है। दिनांक से 15-08-2005 से उपरोक्त प्रस्तर 1.1 में उल्लिखित मूल पेंशन पर 50 % की दर से रू०-1425/-प्रतिमाह महंगाई राहत दी जा रही है।

1.5 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिभाषा

"पेंशन" की पात्रता के लिए उत्तरांचल के ऐसे अधिवासी व्यक्ति स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की परिभाषा में आते हैं, जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया हो और जिसके द्वारा इन कार्यकलापों में भाग लेने के फलस्वरूप कम से कम दो मास की अवधि के लिए करावास का दंड भोगा गया हो, या जिसे नजरबन्दी या अंडर ट्रायल कैदी के रूप में जेल में कम से कम तीन मास की अवधि के लिए रखा गया हो, या जिसने कम से कम 10 बंटों की सजा पायी हो, या जो फरार घोषित किया गया हो, या जिसने वीरगति प्राप्त की हो।

1.6 निम्नलिखित श्रेणी में आने वाले व्यक्ति भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की उपरोक्त परिभाषा में सम्मिलित हैं :-

- ऐसे व्यक्ति जो पेशावर कांड में रहे हों।
- ऐसे व्यक्ति जो भूतपूर्व आजाद हिन्द फौज के प्रमाणित सैनिक अथवा भूतपूर्व इण्डिया इन्डिपेन्डेंस लीग के प्रमाणित सदस्य रहे हों।
- प्रदेश की ऐसी महिलायें, जो विवाह अथवा अन्य कारणों से प्रदेश के बाहर रह रही हैं, पर जिन्होंने उपरोक्त में परिभाषा में उल्लिखित किसी यातना को भोगा हो।
- ऐसे व्यक्ति, जिन्हें गांधी इरविन पैक्ट, 1931 अथवा स्वतंत्रता संग्राम के सम्बन्ध में चलाये गये किसी आन्दोलन में केन्द्रीय अथवा प्रदेशीय सरकार के सामान्य अथवा विशिष्ट रिहाई के आदेशों के फलस्वरूप, सजा पूर्ण होने से पूर्व ही छोड़ दिया गया हो, बशर्ते उनकी दंडादेश की अवधि दो माह से कम न रही हो।
- ऐसे व्यक्ति, जिन्हें स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के फलस्वरूप अपनी सैनिक, असैनिक अथवा पुलिस की नौकरी से हटा दिया गया हो।
- ऐसे व्यक्ति, जो 1914 के कामागाटा मारु के मामले से संबंधित रहे हों।
- ऐसे व्यक्ति, जो 1912 की गदर पार्टी से संबंधित रहे हों।
- ऐसे व्यक्ति, जिनकी चल अथवा अचल सम्पत्ति स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के फलस्वरूप केन्द्रीय अथवा प्रदेशीय सरकार द्वारा जब्त कर ली गयी हो अथवा कुर्क होने के बाद वापस न की गयी हो।

- ऐसे व्यक्ति, जिन्होंने भारत की तत्कालीन देशी रियासतों में ब्रिटिश शासन काल के दौरान या 15 अगस्त, 1947 के पश्चात् उनके भारतीय संघ में विलय होने तक, उक्त देशी रियासतों के प्रशासनिक सुधार या नागरिक स्वतंत्रता के लिए या 15 अगस्त, 1947 के पश्चात् उनके भारतीय संघ में विलयन के लिए आन्दोलनों में भाग लिया हो, बशर्ते उन्होंने इस संबंध में उपरोक्त प्रस्तर 1.5 में उल्लिखित यातनाओं में से कोई भी एक यातना भोगी हो।
 - ऐसे व्यक्ति, जिन्होंने भारत में होने वाले फ्रांसीसी अथवा पुर्तगाली उपनिवेशों के स्वतंत्रता संग्राम में उस अवधि के दौरान भाग लिया हो जब तक कि उनका भारतीय संघ में विलयन न हो गया हो बशर्ते उन्होंने इस संबंध में उपरोक्त प्रस्तर 1.5 में उल्लिखित यातनाओं में से कोई भी एक यातना फ्रांसीसी अथवा पुर्तगाली उपनिवेशों में भोगी हो।
 - ऐसे व्यक्ति जिन्होंने वर्ष 1938-39 तक की अवधि के बीच हैदराबाद रियासत में निजाम की नीतियों के विरुद्ध किये गये आर्य समाज आन्दोलन में भाग लिया हो, बशर्ते उन्होंने इस संबंध में उपरोक्त प्रस्तर 1.5 में उल्लिखित यातनाओं में से कोई भी एक यातना भोगी हो।
 - ऐसे व्यक्ति जिनका जन्म स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जेल में हुआ हो और जिनके माता-पिता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हों।
 - सामान्य छूट (रेमीशन) की अवधि को वास्तविक सजा का भाग ही माना जायेगा।
 - जिन मुकदमों में अन्ततः सजा हुई हो उन मामलों में विचारण (अण्डर ट्रायल) अवधि को काटी गयी वास्तविक सजा की अवधि के साथ सम्मिलित कर दिया जायेगा।
 - सजा की अलग-अलग अवधियों को जोड़ कर उन्हें एक सजा में गिना जायेगा।
 - जो व्यक्ति अलग-अलग थोड़ी-थोड़ी अवधि के लिए नजरबन्दी या विचाराधीन बन्दी (अण्डर ट्रायल) के रूप में जेल में रहे हों, वे भी उक्त परिभाषा में सम्मिलित हैं, बशर्ते उनकी जेल में रहने की कुल अवधि तीन माह या उससे अधिक की हो।
- 1.7 निम्नलिखित श्रेणी में आने वाले व्यक्ति स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की परिभाषा में सम्मिलित नहीं हैं :-
- ऐसे व्यक्ति, जिन्होंने माफी मांग ली हो (पैरोल पर छूटने को माफी मांगना नहीं माना जाता)।
 - ऐसे व्यक्ति, जिनको स्वतंत्रता प्राप्त होने के पश्चात् गम्भीर नैतिक अपराध जैसे काला बाजारी, तस्करी, अपहरण हिंसात्मक अथवा अन्य असामाजिक कार्यवाही, जैसे अवैध मुनाफाखोरी, जखीरेबाजी या समाज-विरोधी या राष्ट्र-विरोधी

आरोपों पर न्यायालय अथवा अन्य सक्षम अधिकारी द्वारा सजा दी गयी हो, या सेवा से हटाया गया हो।

- ऐसे व्यक्ति, जिनके संबंध में स्वतंत्रता प्राप्त होने के पश्चात् देश की प्रभुता एवं अखंडता के विरुद्ध विचार व्यक्त करने की सूचना हो।
- ऐसे व्यक्ति जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को देय पेंशन अनुदान या अन्य सुविधायें प्राप्त करने हेतु अपनी पात्रता स्थापित करने के हित में, या किसी और व्यक्ति की पात्रता स्थापित करने के हित में कोई असत्य विवरण या सूचना प्रस्तुत की हो, या प्रमाण-पत्र दिया हो।

1.8 पारिवारिक पेंशन के लिए पात्रता

किसी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी/सेनानिका की मृत्यु पर, जो पेंशन नियमावली के अधीन स्वतंत्रता संग्राम पेंशन पा रहा/रही हो, उक्त पेंशन स्वतंत्रता संग्राम पारिवारिक पेंशन के रूप में पात्र सदस्यों को दी जायेगी किन्तु एक समय में एक से अधिक सदस्य इसका हकदार नहीं होगा। पात्रता का उत्तरोत्तर कम निम्नवत् है :-

- सर्वप्रथम विधवा या विधुर जो मृत्यु या पुनर्विवाह तक पा सकेंगे। तत्पश्चात् ज्येष्ठतम जीवित अवयस्क पुत्र, यदि कोई हो, और यह कम जीवित अवयस्क पुत्रों तक चलता रहेगा जो इसे वह 18 वर्ष की आयु तक पा सकेगा। इसके पश्चात् ज्येष्ठतम अवयस्क एवं अविवाहित पुत्री इसे विवाह या 21 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, पा सकेगी। यह कम अविवाहित पुत्रियों तक इसी प्रकार चलता रहेगा।

1.9 पेंशन के लिए आवेदन

स्वतंत्रता संग्राम पेंशन/पारिवारिक पेंशन के लिए इस चार्टर के अनुलग्नक में निर्धारित प्रारूप में आवेदन-पत्र जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से गृह विभाग, उत्तरांचल शासन में भेजा जा सकता है। शासन द्वारा आवेदन-पत्र एवं सजायायी प्रमाण-पत्रों की आवश्यकतानुसार जिलाधिकारी से जाँच कराने के उपरान्त पेंशन स्वीकृत की जायेगी।

1.10 पेंशन/पारिवारिक पेंशन के दावे समर्थन में प्रमाण

आवेदक को अपनी भोगी गयी यातनाओं के समर्थन में आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण भी प्रस्तुत करने चाहिए :-

- सम्बन्धित जेल अधीक्षक या जिला मजिस्ट्रेट द्वारा दिया गया प्रमाण-पत्र या,
- उपरोक्त प्रमाण-पत्र उपलब्ध न होने पर किन्हीं दो भूतपूर्व या वर्तमान संसद सदस्य अथवा विधायक, जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के संबंध में प्रार्थी के साथ जेल गये हों, अथवा दो ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जिनको स्वतंत्रता संग्राम पेंशन स्वीकृत हो चुकी हो, और जो आवेदन के साथ सहबन्दी रहे हों,

उनके प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये जायें जिसमें भोगी गयी जेल की अवधि निर्दिष्ट हो, या

- उपरोक्त दोनों प्रमाण-पत्र उपलब्ध न होने की दशा में आवेदक का एक नोटरी द्वारा सत्यापित शपथ-पत्र और जहाँ नोटरी प्रथा न हो, वहाँ प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट द्वारा सत्यापित शपथ-पत्र जिसमें भोगी गयी सजाओं का स्पष्ट रूप से उल्लेख हो। शपथ-पत्र के साथ जिलाधिकारी की संस्तुति होनी चाहिए जो मौके की पूरी जाँच के बाद अंकित की जाय और यह जाँच परगनाधिकारी स्वयं मौके पर जाकर करेंगे। ऐसे मामलों में स्वतंत्रता संग्राम पेंशन अथवा अनुदान गुणवगुण पर विचार करके ही स्वीकार की जायेगी।
- घोषित फरार/भूमिगत रहने की पुष्टि में आवेदक को एक फरार के रूप में घोषित करने, उसके मरने अथवा गिरफ्तारी के लिए पुरस्कार घोषित करने अथवा नजरबन्द करने से संबंधित न्यायालय/सरकार के आदेशों का दस्तावेजी प्रमाण होना आवश्यक होगा।
- नजरबन्दी अथवा निष्कासन की पुष्टि में उपरोक्त उल्लिखित प्रमाण उपलब्ध न होने पर नजरबन्दी अथवा निष्कासन के आदेशों की एक प्रतिलिपि या अन्य कोई दस्तावेजी प्रमाण होना आवश्यक होगा, बशर्ते उन्होंने नजरबन्दी या निष्कासन के आदेशों की अवहेलना की हो।

- भूतपूर्व आजाद हिन्द फौज अथवा इण्डिया इन्डिपेन्डेन्स लीग का प्रमाण

1-आजाद हिन्द फौज में दो श्रेणियों के व्यक्तियों ने भाग लिया था। वे जो ब्रिटिश इन्डिया आर्मी में थे और जापानियों द्वारा बन्दी बनाए गये।

2-भारतीय मूल के ऐसे असैनिक व्यक्ति जो या तो व्यापारी थे अथवा दक्षिण एशियाई देशों में वहाँ के प्रतिष्ठानों इत्यादि में काम कर रहे थे।

श्रेणी सं०-(1)के व्यक्तियों के निम्नलिखित दस्तावेजी सबूत ही पेंशन स्वीकृति के लिए पर्याप्त हैं -

सैनिक प्राधिकारियों से सेवा मुक्ति प्रमाण पत्र जिसमें बताया गया हो कि उक्त व्यक्ति को आजाद हिन्द फौज के साथ उसका सम्बन्ध होने के कारण सेवा मुक्त/बरखास्त किया गया था। भूतपूर्व आजाद हिन्द फौज का कर्मचारी होने के कारण जब्त किये गये वेतन तथा भत्तों के भुगतान और/अथवा निर्वासन भत्ते, जापानी अभियान वेतन तथा भत्ते () के भुगतान के बारे में रेजीमेंट/बटालियन के रिकार्ड अधिकारी द्वारा जारी किया गया पत्र।

श्रेणी सं०-(2) के लिए एलाइड (ब्रिटिश) फोर्सों द्वारा पकड़े जाने के बाद कम से कम छः महीने की कैद/नजरबन्दी होना नितांत आवश्यक है। इसके लिए भूतपूर्व असैनिक कर्मचारी को नजरबन्दी शिविर। जेल विशेष में अपनी नजरबन्दी/कारावास के व्यूरे इस प्रयोजन के लिए निर्धारित असैनिक प्रोफार्म में देने होते हैं। उसे भूतपूर्व आजाद हिन्द फौज के ऐसे दो कर्मचारियों से सहबन्दी प्रमाण पत्र भी शपथपत्र के रूप में देने पड़ते हैं जो नजरबन्दी शिविर

आदि में उसके साथ थे और अब केन्द्रीय या राज्य स्वतंत्रता सेनानी पेंशन प्राप्त कर रहे हैं।

- गलत नाम, पिता का गलत नाम तथा गलत पते के सम्बन्ध में ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जिन्होंने गिरफ्तारी/सजा के समय अपना तथा अपने पिता का गलत नाम या गलत पता दिया हो, की पुष्टि में ऐसे दो भूतपूर्व अध्यक्ष/वर्तमान संसद सदस्य अथवा विधायक से जो आवेदक के साथ स्वतंत्रता संग्राम के सम्बन्ध में जेल में रहे हों, और जो स्पष्टतः आवेदक की पहचान को प्रमाणित करते हों, प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा।
- बेटों की सजा के समर्थन में न्यायालय के निर्णय की प्रमाणित प्रतिलिपि संबंधित व्यक्ति का नोटरी द्वारा और जहाँ नोटरी प्रथा न हो वहाँ प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट द्वारा सत्यापित शपथ-पत्र जिसमें भोगी गयी बेटों की सजा का दिनांक तथा स्थान का पूर्ण उल्लेख हो, मान्य होगा। नोटरी के शपथ-पत्र प्रस्तुत किये जाने पर उसका सत्यापन जिलाधिकारी द्वारा उपरोक्त में उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार कराया जायेगा।
- सम्पत्ति के जब्त अथवा कुर्की किये जाने तथा नौकरी से हटाये जाने से संबंधित आदेशों का दस्तावेजी प्रमाण मान्य होगा।
- आवेदन-पत्र के प्रपत्र में आवेदक तथा ऐसे स्वतंत्रता संग्राम पेंशन पाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, जिन्होंने प्रमाण-पत्र दिये हों, के हस्ताक्षरों का सत्यापन किसी भूतपूर्व विधायक, जो कि आवेदक के साथ जेल में रहे हो, राजपत्रित अधिकारी या मान्यता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों या नोटीफाइड ऐरिया कमेटी/टाउन ऐरिया कमेटी के अध्यक्ष/सदस्य एवं गाँव सभा के प्रधान के द्वारा किया जा सकेगा।
- आवेदक को अपने वैयक्तिक विवरणों या प्रमाण-पत्रों के असत्य पाये जाने की स्थिति में पेंशन निरस्त किये के संबंध में शासन के साथ एक अनुबंध पत्र करना होगा। किसी भी प्रार्थना पत्र के संबंध में आवश्यकतानुसार शासन द्वारा जाँच करायी जा सकेगी।

1.11 पेंशन निरस्त किया जाना

यदि किसी व्यक्ति द्वारा गलत वैयक्तिक विवरण या प्रमाण-पत्र के आधार पर पेंशन प्राप्त की गयी हो अथवा प्राप्त करने के लिए आवेदन-पत्र दिया हो तो शासन के साथ किये गये अनुबंध के आधार पर स्वीकृत पेंशन किसी भी समय बिना कोई कारण बताये अथवा नोटिस दिये निरस्त की जा सकेगी तथा पेंशन के रूप में उसके द्वारा प्राप्त की गयी धनराशि भू-राजस्व के बकाये के रूप में उससे तथा गलत प्रमाण-पत्र देने वाले व्यक्ति से वसूल की जा सकेगी तथा गलत प्रमाण-पत्र देने वाले को यदि स्वतंत्रता संग्राम पेंशन मिली हो तो उसके द्वारा शासन के साथ किये गये अनुबंध के आधार पर उसकी पेंशन किसी भी समय बिना कोई कारण बताये अथवा नोटिस दिये निरस्त की जा

सकेंगी तथा उसके द्वारा पेंशन के रूप में प्राप्त की धनराशि उससे भू-राजस्व के बकाये के रूप में वसूल की जा सकेंगी । इसके अतिरिक्त उसके विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्यवाही की जा सकेंगी ।

1.12 शासन के साथ अनुबन्ध

आवेदक एवं प्रमाण-पत्र देने वाले व्यक्ति को शासन के साथ एक अनुबन्ध करना होगा कि यदि उनके द्वारा दिये गये प्रमाण-पत्र में कोई विवरण गलत सिद्ध होता है या मिथ्या कथन है तो शासन को अधिकार होगा कि उनकी स्वतंत्रता संग्राम पेंशन किसी भी समय बिना कोई कारण बताये अथवा नोटिस दिये निरस्त कर दे और जो भी धनराशि उन्हें स्वतंत्रता संग्राम पेंशन के रूप में दी गयी हो वह भू-राजस्व के बकाये के रूप में वसूल कर ली जाय ।

1.13 शिकायतों/परिवादों का निपटारा

उत्तरांचल राज्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पेंशन/पारिवारिक पेंशन की स्वीकृति संबंधी शिकायतों/परिवादों की प्राप्ति तथा निपटारा प्रमुख सचिव/सचिव, गृह विभाग, उत्तरांचल शासन एवं संबंधित जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा ।

2. कल्याण परिषद का गठन

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा उनके आश्रितों को शासन द्वारा अनुमन्य करायी गयी विभिन्न प्रकार की सुविधायें सुगमता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तरांचल सरकार द्वारा "स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तराधिकारी कल्याण परिषद" का निम्नानुसार गठन किया गया है:-

- 1- मा० मुख्यमंत्री, उत्तरांचल : पदेन अध्यक्ष ।
- 2- मा० मंत्री, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उत्तरांचल : पदेन कार्यवाहक अध्यक्ष ।
- 3- उपाध्यक्ष (राज्य सरकार द्वारा नामित)- : दो ।
(वर्तमान में गढ़वाल मण्डल से मा० श्री जुगल किशोर अरोड़ा जी एवं कुमायूँ मण्डल से मा० श्री डूंगर सिंह बिष्ट जी परिषद के उपाध्यक्ष नामित हैं)
- 4- मा० मंत्री, राज्य मंत्री (वित्त), उत्तरांचल- : सदस्य ।

3. परिचय पत्र

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा उनकी विधवा को शासन द्वारा पेंशन स्वीकृत किये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा परिचय पत्र दिया जाता है । उत्तरांचल राज्य में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार के आश्रित उत्तराधिकारियों को भी जिलाधिकारियों के माध्यम से उत्तराधिकारी परिचय पत्र प्रदान किये जा रहे हैं ।

4. निःशुल्क यात्रा सुविधा
उत्तरांचल राज्य के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को राज्य परिवहन निगम की बसों में उनके एक सहयोगी के साथ निःशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की गयी है ।
5. दाह संस्कार हेतु अनुदान
दिवंगत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के दाह संस्कार हेतु राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में ₹0-2000/- की धनराशि जिलाधिकारियों के माध्यम से उनके आश्रितों को अनुदान के रूप में दी जाती है ।
6. शहीद स्तम्भों/स्मारकों के निर्माण तथा प्रतिमाओं की स्थापना
राज्य सरकार द्वारा का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों की स्मृति में शहीद स्तम्भों/स्मारकों के निर्माण तथा प्रतिमाओं की स्थापना के लिए भी नियम निर्धारित करते हुए अनुदान दिया जाता है ।
7. सम्मान एवं शिष्टता का व्यवहार
प्रत्येक वर्ष 8 अगस्त को महामहिम राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति भवन में देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में आयोजित होने वाले भोज समारोह में सम्मिलित होने वाले राज्य के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानपूर्वक राष्ट्रपति भवन ले जाने तथा वापस उनके गन्तव्य तक पहुँचाने में परिवहन, भोजन तथा नई दिल्ली में ठहरने आदि व्यवस्था राज्य सरकार के व्यय से की जाती है ।
- 7.1 प्रदेश स्तर पर भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में समय-समय पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सम्मान समारोह आयोजित किये जाते हैं ।
- 7.2 राज्य सरकार द्वारा समस्त जिलाधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि सभी राष्ट्रीय पर्वों/सरकारी उत्सवों/समारोहों के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व उनके उत्तराधिकारियों को ससम्मान आमंत्रित कर उन्हें उचित स्थान दिया जाय तथा उनके साथ शिष्टता का व्यवहार किया जाय ।

X

विभा पुरी
(विभा पुरी दास)
प्रमुख सचिव, गृह,
उत्तरांचल शासन।

अनुलग्नक

उत्तरांचल राज्य स्वतंत्रता संग्राम पेंशन/पारिवारिक पेंशन हेतु आवेदन-पत्र का प्रारूप

- 1- प्रार्थी/प्रार्थिनी का नाम.....
- 2- प्रार्थी/प्रार्थिनी के पिता/पति का नाम.....
- 3- प्रार्थी/प्रार्थिनी का पूरा स्थायी पता.....
- 4- तिथि जब से प्रार्थी/प्रार्थिनी उत्तरांचल के निवासी हैं.....
- 5- प्रार्थी/प्रार्थिनी के पति/पिता द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के कार्यकलापों का विवरण :-
 - (1) जेल यात्रा, नजरबन्दी या अन्डर ट्रायल कैदी के रूप में जेल में रहने का विवरण:-
 जेल जाने और मुक्त होने की तिथि तथा अवधि.....
 स्थान..... दफा.....
 - (2) यदि बेंतों की सजा भोगी हो, तो उसका विवरण:-
 बेंतों की संख्या..... स्थान..... दफा.....
 - (3) यदि फरार घोषित किये गये हों, गोली से घायल हुए हों तथा वीरगति प्राप्त की हो तो उसका विवरण:-
 (क) प्राधिकारी जिसने फरार घोषित किया, उसका पदनाम तथा पूरा पता.....
 (ख) तिथि, जिस पर फरार घोषित किये गये.....
- *6- ऊपर मद 5 में दिये हुए विवरण की पुष्टि का प्रमाण.....

मैं/हम निजी जानकारी पर प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि प्रार्थी द्वारा ऊपर मद 5 में दिये हुए विवरण सही हैं। प्रमाणकर्ता व्यक्तियों के हस्ताक्षर, पद तथा पूरे पते-

(1)

(2)

*नोट-मद 6 का प्रमाण-पत्र भूतपूर्व या वर्तमान दो विधायकों/संसद-सदस्यों जो प्रार्थी के साथ स्वतंत्रता संग्राम के सम्बन्ध में जेल गये हों या दो स्वतंत्रता संग्राम पेंशन प्राप्तकर्ताओं, जो प्रार्थी के साथ सहबन्दी रहे हों, द्वारा दिया जा सकता है।

(गति प्रमाणकर्ता स्वतंत्रता संग्राम पेंशन प्राप्तकर्ता हैं तो उनके नाम, पते, पेंशन प्राधिकार पत्र की संख्या एवं दिनांक तथा उनके हस्ताक्षरों का सत्यापन)

- (1) नाम..... पता.....
 पेंशन प्राधिकार पत्र संख्या.....
 दिनांक..... हस्ताक्षरों का सत्यापन.....
- (2) नाम..... पता.....
 पेंशन प्राधिकार पत्र संख्या.....
 दिनांक..... हस्ताक्षरों का सत्यापन.....

- 7- यदि भूतपूर्व आजाद हिन्द फौज के या इण्डिया इण्डिपेन्डेन्स लीग के सदस्य हों तो उसका प्रमाण-पत्र संलग्न करें ।
- 8- यदि प्रार्थी को केन्द्र तथा राज्य सरकार से पूर्व में कोई पेंशन या सहायता मिली हो तो उसके विवरण.....
- 9- प्रार्थना-पत्र के अलावा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र के संदर्भ-जिला मजिस्ट्रेट/जेल अधीक्षक का प्रमाण-पत्र.....
 राज्य सभा/लोक सभा/विधान सभा के सदस्यों के प्रमाण-पत्र या किन्हीं दो स्वतंत्रता संग्राम पेंशन पाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रमाण-पत्र.....
- 10- परिवार के सदस्यों के विवरण :-
 नाम..... आय..... संबंध.....
- 11- क्या प्रार्थी ने कभी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के दौरान या बाद में दंडित होने से बचने के लिए माफी माँगी ? यदि हाँ, तो उसके विवरण.....

प्रार्थी/प्रार्थिनी द्वारा शपथ-पत्र

मैं सत्यनिष्ठापूर्वक यह शपथ लेता/लेती हूँ कि उपरोक्त विवरण पूर्णतया सही हैं, यदि कोई विवरण गलत सिद्ध हो, तो शासन को अधिकार होगा कि मेरी स्वतंत्रता संग्राम पेंशन बन्द कर दें और जो भी धनराशि मुझे स्वतंत्रता संग्राम पेंशन के रूप में दी गयी है वह भूमि-कर के बकायों की तरह वसूल कर ली जाय ।

दिनांक.....

प्रार्थी/प्रार्थिनी के हस्ताक्षर
 या अंगूठा निशान

प्रमाण-पत्र

मैं प्रमाणित करता हूँ कि श्री/श्रीमती.....

पुत्र/पत्नी श्री.....

जिन्होंने मेरे सम्मुख हस्ताक्षर किया/निशान अंगूठा लगाया, को मालूम है जानता हूँ। इनका दिमाग सही हालत में है/नहीं है। उनके शिनाखा का शारीरिक चिन्ह निम्नलिखित है :-

दिनांक.....

प्रमाणकर्ता के हस्ताक्षर
पदनाम व पूरा पता.....

आवश्यक नोट :-

- (1) फार्म साफ-साफ अक्षरों में भरा होना चाहिए
- (2) फार्म में दी हुई सूचना की सत्यता की जिम्मेदारी प्रार्थी पर है। सूचना में आंशिक रूप में असत्यता होने पर भी फार्म तुरन्त खारिज कर दिया जायेगा।
- (3) जो प्रमाण-पत्र देगा वह जामिन समझा जायेगा।
- (4) जो व्यक्ति मद 5 के सम्बन्ध प्रमाण-पत्र प्राप्त करने में असमर्थ हो, वे एक नोटरी द्वारा सत्यापित शपथ-पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।
- (5) उल्लिखित प्रमाण-पत्र जिला मजिस्ट्रेट, लोक सभा, राज्य सभा, उत्तरांचल विधान सभा का सदस्य अथवा गजेटेड सरकारी अधिकारी के द्वारा होना चाहिए।
- (6) आवेदक तथा ऐसे स्वतंत्रता संग्राम संग्राम पेंशन पाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, जिन्होंने प्रमाण-पत्र दिये हों, के हस्ताक्षरों के सत्यापन किसी विधायक, संसद सदस्य, राजपत्रित अधिकारी या मान्यता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधान-अध्यापकों या नोटीफाइड ऐरिया कमेटी/टाउन ऐरिया कमेटी के अध्यक्ष/सदस्य, गाँव सभा प्रधान द्वारा दिया जा सकेगा।
- (7) भूतपूर्व आजाद हिन्द फौज के सेनानी या इण्डिया इन्डिपेंडेन्स लीग के सदस्य होने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण मान्य होगा।
- (8) भोगी गयी सजा की पुष्टि में प्रमाण-पत्र देने वालों के लिए यह भी अनिवार्य होगा कि वे प्रमाण-पत्र के साथ-साथ एक अनुबंधन करें कि यदि उनके द्वारा दिये गये प्रमाण-पत्र में कोई विवरण गलत सिद्ध होता है या मिथ्या कथन है तो शासन को अधिकार होगा कि उनकी स्वतंत्रता संग्राम पेंशन बन्द कर दे और जो भी धनराशि उन्हें स्वतंत्रता संग्राम पेंशन के रूप में दी गई हो वह भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूल लें।

XXXXXX